पुना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

WEL COME TO PUNA INTERNATIONAL SCHOOL

रिमझिम - 2
दूसरी कक्षा के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक

arihant
NCERT प्रैक्टिस
वर्कबुक
हिंदी
रिमझिम
कक्षा 2

Paa# -Ê wa l Une q d I f ßbašl

- ki#n xBd
- xBda4R
- ik sne kha ?
- pXno. ke]Ttr il qo |
- ilg pirvtR

2. भालू ने खेली फ़ुटबॉल

सर्दियों का मौसम था। सुबह का वक्त। चारों ओर कोहरा ही कोहरा। एक शेर का बच्चा सिमटकर गोल-मटोल बना जामुन के पेड़ के नीचे सोया हुआ था।

इधर भालू साहब सैर पर निकल तो आए थे लेकिन पछता रहे थे। तभी उनकी नज़र जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी।

© NCERT not to be republished

आँखें फैलाई, अक्ल दौड़ाई- अहा फ़ुटबॉल। सोचा, चलो इससे खेलकर कुछ गर्मी हासिल की जाए।

आव देखा न ताव। भालू जी ने पैर से उछाल दिया शेर के बच्चे को।

हड़बड़ी में शेर का बच्चा दहाड़ा और फिर पेड़ की एक डाल पकड़ ली।

मगर डाल टूट गई। भालू साहब जल्दी ही मामला समझ गए। पछताए, लेकिन अगले ही पल दौड़कर फ़ुर्ती से दोनों हाथ बढ़ाए और शेर के बच्चे को लपक लिया।

© NCERT not to be republished

अरे यह क्या! शेर का बच्चा फिर से उछालने के लिए कह रहा था।

एक बार फिर भालू दादा ने उछाला।
दो बार...
तीन बार...
फिर
बार-बार यही होने लगा।

शेर के बच्चे को उछलने में मज़ा आ रहा था। परंतु भालू थककर परेशान हो गया था।

ओह, किस आफ़त में आ फँसा।

बारहवीं बार उछालते ही भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई और गायब हो गया।

© NCERT not to be republished

अब की बार शेर का बच्चा धड़ाम से ज़मीन पर आ गया। डाल भी टूट गई।

तभी माली वहाँ आया और शेर के बच्चे पर बरस पड़ा–

डाल तोड़ दी पेड़ की। लाओ हर्जाना।

शेर के बच्चे ने कहा– ज़रा ठीक तो हो लूँ।

माली ने कहा ठीक है। मैं अभी आता हूँ।

माली के वहाँ से जाते ही शेर का बच्चा भी नौ दो ग्यारह हो लिया। उसने सोचा– जान बची तो लाखों पाए।

© NCERT not to be republished

k i#n xBd

É s idjRa>

Ê m0 s m

Ë s E

Ì Aa>q e

Í f IE a{

Î f ubaš

Ï h f b f I

Ð j LdI

Ñ d0 f k r

ÉÈ h j aRa

xBda4R

s bh	-	pa t:
q d	-	kI fa
hDbDI	-	jLdI me
kohra	-	2 a
p7 tana	-	d:uqI hona
jLdI	-	tejI se
vKt	-	smy
lpkna	-	pkDna
hjaRa	-	dD

ik s ne k ha ?

É l aAo h j aRa |

- ma l I ne |

Ê j ra #I k t o ho l E?

- xe k e bC c e ne |

Ë mEAwI Aa t a hE|

- ma l I ne |

Ì Aha , f ubaš |

- wa l Une |

Í i k s Aa f t me f >s gya |

- wa l Une |

Î mue A0r] 7a l o |

- xe k e bC c e ne |

- pXno. ke]Ttr il qo |

pXn - É caro Aor Kya 7aya hAa 4a ?

]Ttr - É caro Aor kohra 7aya hAa 4a |

pXn - Ê pf kenIcek0n so rha 4a ?

]Ttr - Ê pf kenIcexr ka bCca so rha 4a |

pXn - Ë xr kebCcenepD kI DalI Kyo. pkDI ?

]Ttr - Ë nIceigrnekeDr se|

pXn - Ì walUnexr kebCceko iktnI bar]7ala ?

]Ttr - Ì walUnexr kebCceko barh bar]7ala |

pXn - Í A.t mexr kebCceneKya soca ?

]Ttr - Í A.t mexr kebCcene soca ik jan bcI to laqo pa0 |

ठंड से बचना

भालू ने ठंड से बचने के लिए फ़ुटबॉल खेलने की बात सोची। तुम ठंड से बचने के लिए क्या-क्या करती हो? (✓) का निशान लगाओ।

- दौड़ लगाती हो।
- गर्म कपड़े पहनकर घर में बैठती हो।
- रज़ाई ओढ़ती हो।
- आग तापती हो।
- ठंडा पानी पीती हो।
- गर्म पानी में नहाती हो।
- गर्म-गर्म चाय पीती हो।

© NCERT not to be republished

खेलों के नाम

i k/k e3	x t r.j
f u3 basl	Saa>p s IDI
hask I	k Em
3ien s	baS k e3 basl
beDim3 n	3eb l 3ien s
vasl Ibasl	c Es

puL l g xBdo. ka S5Ii l g xBdo. s e im l an kIi j0 | i l g pirv tR

प्राध्यापाक	मोरनी
नाग	शेरनी
मोर	ग्वालिन
औरत	प्राध्यापिका
ग्वाला	नागिन
शेर	आदमी

लालची कुत्ता

एक बार एक कुत्ते को बहुत जोर से भूख लगी थी । तभी उसे एक रोटी मिली । वह उस रोटी का पूरा आनंद लेना चहाता था । इसलिए वह उसे शान्ति में बैठकर खाने की इच्छा से रोटी को अपने मुँह में दबाकर नदी की ओर चल दिया । नदी पर एक छोटा पुल था । जब कुत्ता नदी पार कर रहा था, तभी उसे पानी में अपनी परछायी दिखाई दी । उसने अपनी परछायी को दूसरा कुत्ता समझा और उसकी रोटी छीनना चाहा ।

रोटी छीनने के लिए उसने भौंकते हुए नदी में छलाँग लगा दी । मुँह खोलते ही उसके मुँह की रोटी नदी के जल में गिरकर बह गयी और लालची कुता भूखा ही रह गया । इसलिए कहा गया है कि हमें लालच नहीं करना चाहिये ।

[s ic5 meikt ne bCce hE? - tIn

do bCco. ne isr pr Kya phna hE? - 3opI

lD_kI lD_ke ko Kya iqla rhI hE? - kek

kek pr iktnI mombiTtya> hE? - car

mej_pr kek,]phar A0r Kya rqa hE? - cakU

ic5 meikt ne gBbare hE? - barh

bCce Kya mna rhe hE? - jNmidn

a warm note to say

thank you

for your love
and support